अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वविज्ञ (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) उपशमकः क्षपकश्च।

(ख) अकेवली छद्मस्थः।

(ग) आत्मशुद्धि साधनं धर्मः।

(घ) लोके प्राणरक्षापि।

(ड़) क्वचियं प्रसंगजापि।

(च) तदितरस्तु लौकिकः।

प्र. 2 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखें– 10

(क) आगमतः और नो आगमतः भाव उपाध्याय किसे कहते हैं?

(ख) प्रमत संयत तथा अप्रमत संयत किसे कहते हैं?

(ग) दूसरे, चौथे तथा पांचवें गुणस्थान की स्थिति कितनी होती है?

(घ) केवली समुद्घात किस पर आश्रित होता है और उसका कालमान कितना है?

(ड़) निर्ग्रन्थ किसे कहा जाता है?

(च) लोकदया आत्मसाधक क्यों नहीं हो सकती?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) उपक्रम और निरूपक्रम का वर्णन करें।

(ख) दया पर टिप्पणी लिखें।

(ग) प्रमाण, नय तथा निक्षेप की परिभाषायें लिखें।

गमा का थोकड़ा–70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 6

(क) मनुष्य में तीसरी नरक के नैरयिक की उत्पत्ति में प्रथम तीन गमक में लेश्या कितनी और क्यों?

(ख) मनुष्य में पांचवी नरक के नैरयिक की उत्पत्ति में अवगाहना भवधारणी कितनी है और वह उत्तर वैक्रिय करता है तब कितनी है?

(ग) अपकाय का संस्थान किस प्रकार का होता है?

(घ) मनुष्य में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के तीसरे गमक का कथन स्वतंत्र रूप से क्यों किया गया है?

(ड़) चार अनुत्तर विमान के जघन्य-उत्कृष्ट भव लिखें।

(च) यंत्र 119 में मनुष्य में असंज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में कितने गमक टूटे और क्यों?

(छ) व्यंतर में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति यंत्र में यौगलिक की स्थिति 1 पल्य किस अपेक्षा से है?

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

(क) मनुष्य में वनस्पतिकाय की उत्पत्ति में अवगाहना कितनी और किस अपेक्षा से?

(ख) मनुष्य में कौन से दो स्थानों की उत्पत्ति में 4,5,6 गमक में नाणत्ता चार हैं व कौन-से हैं?

(ग) मनुष्य में 43 स्थानों से उत्पत्ति में सभी यंत्रों में जघन्य अवगाहना क्या है और किस अपेक्षा से है?

(घ) तीसरे, चौथे, पांचवें, छठे देवलोक में कितने संहनन वाले जीव जा सकते हैं?

(ड़) मनुष्य में द्वीन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र का नाणत्ता अन्तर सहित लिखें।

(च) ज्योतिष्क में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति यंत्र में 5 और 6 गमक क्यों टूटे?

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 54

(क) मनुष्य में दूसरी नरक के नैरयिक की उत्पत्ति के यंत्र का उपपात द्वार, परिणाम द्वार तथा आयु द्वार लिखें।

(ख) मनुष्य के पांचवी नरक के नैरयिक की उत्पत्ति के यंत्र में उपपात, लेश्या तथा अनुबंध द्वार लिखें।

(ग) मनुष्य में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र में अवगाहना, आयु, ज्ञान-अज्ञान तथा योग द्वार लिखें।

(घ) मनुष्य के संख्यात वर्ष में संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र में नाणत्ता तथा काय-संवेध द्वार लिखें।

(ड़) मनुष्य में असुर कुमार की उत्पत्ति में संहनन, लेश्या, संस्थान तथा अवगाहना द्वार लिखें।

(च) मनुष्य में तीसरे सनतकुमार देवलोक से उत्पत्ति के यंत्र में उपपात द्वार, अवगाहना, संस्था तथा अनुबंध द्वार लिखें।

(छ) मनुष्य के आठवें सहस्त्रार देवलोक से उत्पत्ति यंत्र का उपपात तथा काय-संवेध द्वार लिखें।

(ज) व्यंतर में असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति यंत्र के अन्तिम तीन गमक का उपपात द्वार से लेकर उपयोग द्वार तक लिखें।

(झ) ज्योतिष्क में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति के यंत्र के प्रथम तीन गमक का ज्ञान-अज्ञान द्वार से अध्यवसाय द्वार तक लिखें।

(ञ) ज्योतिष्क में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र के 3, 4 और 5वें गमक का समुद्घात, अध्यवसाय, नाणत्ता तथा कायसंवेध द्वार लिखें।

(ट) छठे से आठवें देवलोक में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच की उत्पत्ति के यंत्र में अन्तिम छः गमक का काय-संवेध द्वार लिखें।